विषय–सूची

निबंधः एक परिचय 3

निबंध के प्रकार 5

निबंध का प्रारूप 5

निबंध लेखन की शैली 6

परीक्षा की दृष्टि से निबंध लेखन हेतु ध्यान रखने योग्य बिंदु 7

राजनीतिक निबंध 9

प्रतिरोधों के सम्मान की प्रतिध्वनि है प्रजातंत्र 11

धर्म एवं राजनीति 16

कितना आवश्यक है, अभिव्यक्ति-स्वातंत्र्य? 20

प्रजातांत्रिक भावना एवं दलीय राजनीति 25

धर्मनिरपेक्षता 29

क्या आतंकवाद को न्यायोचित ठहराया जा सकता है? 34

विश्व-सुरक्षा और भारत की भूमिका 41

गठबंधन सरकारः भारत के लिए कितनी उपयुक्त 44

राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व एवं स्थिति 51

साम्प्रदायिकता की राजनीति 58

लोकतंत्र के विरोधाभास 64

मानवाधिकार और भारत 68

भारत में राजभाषा की स्थिति 75

सूचना का अधिकार 79

न्यायिक सक्रियता और लोकतंत्र 86

संयुक्त राष्ट्र संघ—भूमिका एवं भविष्य 91
राजनीति का अपराधीकरणः लोकतंत्र पर आघात 95
लोक सेवक को किस प्रकार का आचरण करना चाहिए? 100
न्याय को गरीब तक पहुंचना ही चाहिए 103
लोकतांत्रिक भारत में वंशवाद 107
लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका 111

सामाजिक निबंध 115
भारतीय समाजः परिवर्तन की दिशाएं 117
विधि एवं सामाजिक परिवर्तन 121
भारतीय सिनेमा एवं सामाजिक दायित्व 126
क्या भारतीय सिनेमा हमारी लोक-संस्कृति को आकार प्रदान करता है? 133
वृद्धावस्था की समस्याएं 137
परिवारः बदलते संदर्भ में 144
विज्ञापन और सामाजिक उत्तरदायित्व 148
धर्मांतरणः अधिकार और नैतिकता 154
पीढ़ी अंतराल 161
भारतीय समाज में संस्कृतिः रूढ़िवादी अथवा परिवर्तनवादी 164
धार्मिक संस्कार एवं महिलाओं के अधिकार 169
कामकाजी महिलाओं की समस्याएं 173
महिला उत्पीड़न 178
बाल श्रम की समस्या 186
महिला सशक्तीकरणः चुनौतियां एवं संभावनाएं 194
बदलते परिवेश और हमारे सामाजिक मूल्य 199
ड्रग्सः एक सामाजिक समस्या और निवारण 202
आर्थिक उदारीकरण—भारत के समक्ष चुनौतियां 209
विकास-प्रक्रिया में जन-सहभागिता 212
अर्थव्यवस्था में निजीकरण एवं परिणाम 216
सतत् विकास एवं पर्यावरण 221

वैज्ञानिक निबंध 229
विज्ञान की सीमाएं 231
क्या प्रौद्योगिकी मानव शक्ति को प्रतिस्थापित कर सकती है? 236

क्या विज्ञान और कला एक-दूसरे के विरोधी हैं? 240
विज्ञान से अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही समय की मांग है 246
जैव-विविधता 254
सूचना प्रौद्योगिकी में कम्प्यूटर क्रांति 263
युथेनेसिया—क्या मृत्यु उपचार हो सकती है? 267
वैश्विक तापन (ग्लोबल वार्मिंग) 274
धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है और विज्ञान के बिना धर्म अंधा 279
दैनिक जीवन में विज्ञान 283
पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता 285
हम प्रौद्योगिकी के दास बन गए हैं! 289

शैक्षणिक निबंध 293
शिक्षा व नैतिक मूल्य 295
शिक्षक, विद्यार्थी और शिक्षा के बदलते संदर्भ 299
वैश्विक ज्ञान-भण्डार में भारत का योगदान 302
वास्तविक शिक्षा क्या है? 307
शिक्षा का व्यवसायीकरण 311
रूपांतरित भारत को अपनी शिक्षा व्यवस्था ठीक करने की आवश्यकता 315

ज्वलंत एवं सामयिक निबंध 321
चुनावों का वित्त पोषण 323
सहयोगी संघवाद 328
भारत में अंतरराज्यीय जल विवाद 334
सतर्कता एवं लोकतंत्र (सतर्कता लोकतंत्र के विरुद्ध है) 338
मोरल पुलिसिंग एवं लोकतंत्र 341
राष्ट्रवाद की अवधारणा 345
डिजिटल इंडिया तथा लोकतंत्र का सशक्तिकरण 350
मीडिया ट्रायल—कितना उचित? 354
स्टिंग ऑपरेशन व निजता पर हमला 359
फेक न्यूज (फर्जी समाचार): खतरे, चुनौतियां एवं समाधान 363
क्या हम नस्लवादी लोग हैं? 369
समाज को दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता 373

किराए की कोख का कारोबार 378
क्या शराबबंदी होनी चाहिए? 382
सड़क सुरक्षा 385
स्मार्ट सिटी—क्या यह भारत में संभव है? 390
शहरी बाढ़—कारण, प्रबंधन एवं चुनौतियां 395
भारत में रोजगारविहीन विकास 399
क्या बढ़ती प्रतिस्पर्धा युवाओं के लिए सही है? 403
पारिस्थितिक-पर्यटन की चुनौतियां व समाधान 408
पृथ्वी से परे जीवन की संभावना 413

अन्य निबंध

साहित्य समाज का दर्पण है 419
जीवन और साहित्य 423
विलम्ब होने से असंतोष बढ़ता है 428
ईमानदारी कोई गुण नहीं, बेईमानी दुर्गुण है 431
यदि प्रेम स्वप्न है, तो श्रद्धा जागरण 434
मनुष्य वह है, जो औरों को जीवन देता है 436
विश्वास, समझौतावादी प्रवृत्ति और स्वास्थ्य सफलता के लिए आवश्यक 439
मानव धर्मः सबसे बड़ा धर्म 442
नर और नारी एक गाड़ी के दो पहिए हैं 445
सुंदर जीवन की कल्पना 448
''समय जात नहिं लागहि बारा'' 452
सांच बराबर तप नहिं, झूठ बराबर पाप 456
सठ सुधरहिं सत्संगति पायी 460
राष्ट्र धर्म और नागरिक 463
अध्यापक बनाम राष्ट्र-निर्माता 466
समाचार-पत्र एवं उनकी शक्ति 469
कला और नैतिकता 472
अगर पर्व-त्योहार न होते! 474
पारंपरिकता बनाम आधुनिकता 476
खेल, खिलाड़ी और खेल-भावना 481

भारत की सांस्कृतिक विविधता 484
जीवन आगे बढ़ने का नाम है 489
जीवन निःसार स्वप्न नहीं है 492
भारत में स्वतंत्रता की गलत व्याख्या एवं उसका दुरुपयोग 495
क्या आधुनिक मनुष्य प्रकृति विमुख है? 498
भूमण्डलीकरण और हिंदी 501

प्रमुख उद्धरण 505